केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

क. जे. सोमैया परिसर,

विद्याविहार, मुम्बई- ४०००७७

दिनांक 05.11.2020

सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रतिवेदन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क. जे. सोमैया परिसर, विद्याविहार, मुम्बई के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी के सूचनार्थ डॉ. वी. एस्. वी. भास्कर रेड्डी जी के संयोजन में दिनांक 30.10.2020 से 04.11.2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया ।

क. जे. सोमैया परिसर के सभी कार्यालय कर्मचारी, अध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने दिनांक 30.10.2020 को गुगल मीट के माध्यम से सतर्कता जागरूकता की शपथ प्रातः 11.30 को लिया । मुम्बई परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी ने सभी को सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुभकामना दी एवं डॉ. वी. एस्. वी. भास्कर रेड्डी जी प्रतियोगिता एवं नियमों का विवरण प्रस्तुत किया ।

दिनांक 02.11.2020 को प्रातः 11.30 से 12.30 तक निबन्ध प्रतियोगिता का विषय 'राष्ट्र निर्माण में भष्ट्राचार निरोध की आवश्यकता' था । इस निबन्ध प्रतियोगिता में कुमारी यशश्री संदिप खानोलकर, शास्त्री द्वितीय वर्ष ने प्रथम, कुमार मयंक तिवारी, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने द्वितीय तथा कुमार मनीष शर्मा, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष एवं कुमारी रजनी बेहरा, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

दिनांक 03.11.2020 को प्रातः 11.30 को हुई भाषण प्रतियोगिता में 09 छात्र-छात्राओं ने सहभाग लिया था, जिस का विषय 'भारतीय अर्थव्यवस्था में भ्रष्टाचार का कुप्रभाव' था । जिसमें कुमार मयंक तिवारी, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने तथा कुमार मनीष शर्मा, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने प्रथम, कुमार श्याम किशोर पाण्डेय,

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने द्वितीय तथा कुमार केयुर कुलकर्णी, शास्त्री तृतीय वर्ष एवं कुमारी कौशल्या शुक्ल, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

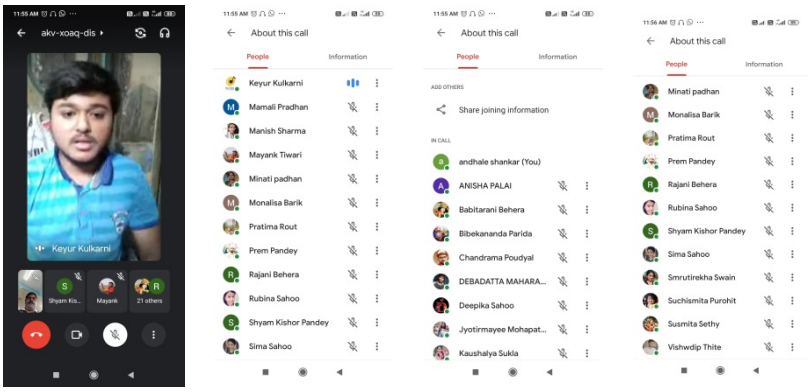

दिनांक 04.11.2020 को प्रात: 11.30 से 01.00 बजे तक गुगल मीट द्वारा सतर्कता जागरूकता पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया था, जिसमें वक्ता के रूप में मुख्यातिथि ज्योतिष CRISIL निकाय के (HR) प्रमुख, श्रीकान्तीकर नेतागणि ने 'भारतीय अर्थव्यवस्था में भष्ट्राचार का कुप्रभाव' पर अपने-विचार व्यक्त किए । परिसर के आचार्य प्रो. बोध कुमार झा जी ने एवं निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी ने भी अपने-अपने विचारों का व्यक्त किया । कार्यक्रम के अन्त में डॉ. भास्कर रेड्डी ने उपस्थित सभी का आभार प्रकट किया । जबकि शांती पाठ से सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह सम्पन्न हुआ ।

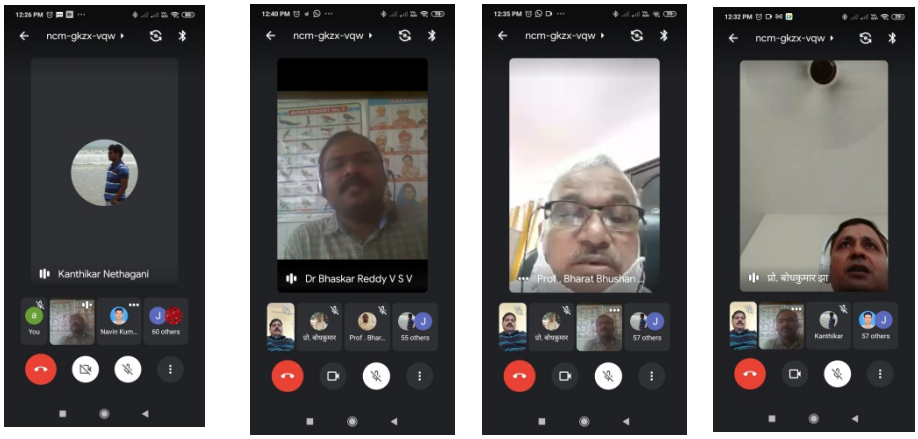

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

क. जे. सोमैयापरिसर, विद्याविहार, मुम्बई- ४०००७७

दिनांक 31.10.2020

राष्ट्रिय एकता दिवस प्रतिवेदन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क. जे. सोमैया परिसर, विद्याविहार, मुम्बई परिसर में निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र की अध्यक्षता में राष्ट्रिय एकता दिवस दिनांक 31.10.2020 को मनाया गया ।

भारत के प्रथम गृहमन्त्री एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती पर मञ्चस्थ विद्वानों प्रो. बोध कुमार झा (व्याकरण विभागाध्यक्ष) एवं प्रो. लीना सक्करवाल (शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्षा) ने अपने विचार रखे । राष्ट्रिय एकता दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. नवीन कुमार मिश्र तथा डॉ. एस् कृष्णा ने प्रभावशाली रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवनवृत्त एवं स्वतन्त्रता आन्दोलन में अभूतपूर्व योगदान पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का विधिवत् आरम्भ करते हुए कार्यक्रम के सञ्चालक डॉ. शंकर आंधळे एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. वी. एस्. वी. भास्कररेड्डी ने कार्यक्रम को सम्पन्न कराया । राष्ट्रिय एकता दिवस पर डॉ. श्वेतासूद ने पहाड़ी भाषा, डॉ. जितेन्द्र कुमार रायगुरू ने ओडिया, डॉ. वी. एस्. वी. भास्कररेड्डी ने तेलगू, प्रो. लीना सक्करवाल ने अंग्रेजी तथा प्रो. बोध कुमार झा जी ने मैथिली भाषा में अपने विचार प्रकट किए । परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र ने अपने वैदुष्यपूर्ण भाषण में राष्ट्र के लिए एकता का महत्त्व बताते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन को प्रेरणादायी बताया । कार्यक्रम में मुम्बई परिसर के सभी आचार्य, प्राध्यापक तथा कार्यालय कर्मचारी उपस्थित थे । कार्यक्रम संयोजक डॉ. वी. एस्. वी. भास्कररेड्डी महोदय ने धन्यवाद भाषण किया तथा शांति पाठ से समारोह का समापन हुआ ।

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई ।

26.07.2021

गुरुपूर्णिमा समारोह प्रतिवेदन

२४ जुलाई २०२१

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई के आदेश क्रमांक-क.स.वि.मु. /प्रशासन/2020-21/25; दिनांक 09.07.2021 के अनुसार परिसर में दिनांक 24 जुलाई 2021 को आभासीय माध्यम से गुरुपूर्णिमा समारोह का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय संस्कृति के परम्परानुसार शिक्षाशास्त्री के छात्र श्री मनीष शर्मा द्वारा मंगलाचरण से की गयी, तदन्तर कार्यक्रम संयोजक एवं संचालक डॉ. सुभाषचन्द्र मीणा, सहायकाचार्य (व्याकरण विभाग) ने मुख्यातिथि, सारस्वातिथि, अध्यक्षजी का परिचय करवाया।

डॉ. कुमार, सहायकाचार्य (शिक्षा विभाग) ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं श्रोताओं का स्वागत किया ।

तदनन्तर गुरुमहिमा प्रतिपादन के क्रम में परिसरीय छात्र मनीष शर्मा, प्रयतात्मा रथ, लिलिमा साहु, दुर्गा माधव रथ, सुलोचना नायक, अजया मिश्रा तथा मिनर्भा साहु ने गुरु के कौन-कौन से गुण होते है, गुरु कैसा होता है ? गुरु की पूजा क्यों की जाती है, आदि बिन्दुओं पर संस्कृत भाषा में अपने विचार व्यक्त किए ।

सारस्वतातिथि के रूप में परिसर के साहित्य विभाग के सहायकाचार्य डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र ने गुरु-दर्शन पर अपने विचार प्रकट किये, उन्होंने -'तपस्वी सत्यवादी च गृहस्थी गुरुरुच्यते' 'यो भावयति या सूते येन विद्योपदिश्यते । ज्येष्ठभ्राता च भर्त्ता च पञ्चैते गुरवः स्मृताः' आदि प्रसिद्ध संस्कृत श्लोकों द्वारा गुरु के विषय में बताया ।

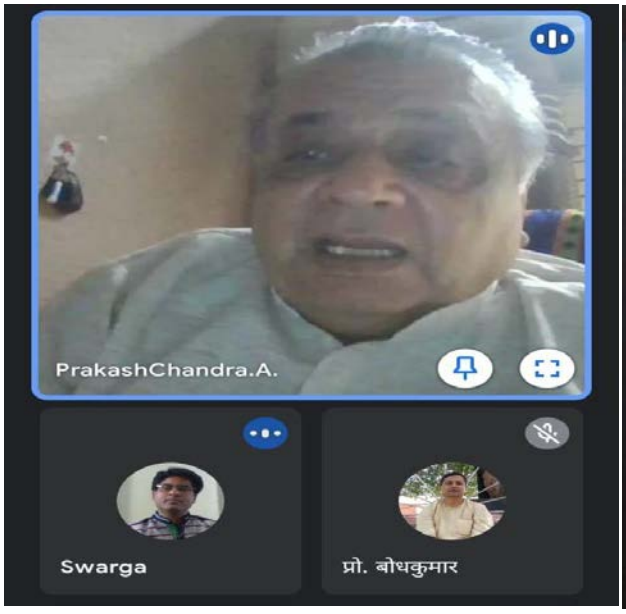

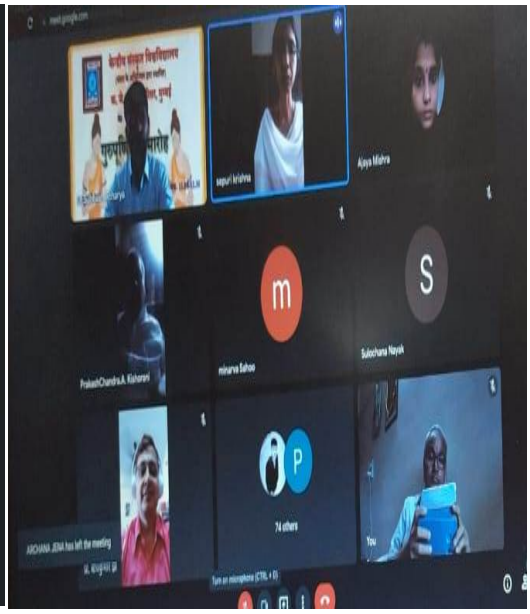

समारोह में मुख्यातिथि के रूप में परिसर के पूर्व प्राचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष (व्याकरण विभाग) प्रो. प्रकाशचन्द्र ने गुरु की महिमा पर प्रकाश ड़ालते हुए बताया कि गुरु का जीवन में विशेष महत्त्व है । किसी न किसी को अपना गुरु अवश्य बनाना चाहिए, जिससे व्यक्ति की आयु

विद्या, यश और बल में वृद्धि होती है, साथ ही बताया कि गुरु को शिक्षक के रूप में अपने मूल कर्त्तव्य अध्ययन-अध्यापन पर ध्यान देना चाहिए । बिना गुरु के जीवन की सार्थकता सिद्ध नहीं होती है ।

कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी ने गुरु के विभिन्न स्वरूपों के बारे में बताया और कहा कि गुरु को सभी छात्रों के साथ समान विचारधारा रखनी चाहिए, किसी भी छात्र के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए ।यदि पिता-पुत्र से, और गुरु-शिष्य से पराजित होता है तो यह पिता और गुरु के लिए गर्व का विषय होता है । अतः गुरु को शिष्य परम्परा का ध्यान रखते हुए अपने शिष्यों में श्रेष्ठ गुणों का निर्माण करने पर जोर देना चाहिए । हमारी भारतीय संस्कृति महान् है जो गुरु महिमा का गुरुपूर्णिमा के माध्यम से प्रसार कर रही है।

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की सहायकाचार्य डॉ. एस. कृष्णा ने आये हुए अतिथियों, उपस्थित अध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापन किया ।

अन्त में सामूहिक रूप से शान्तिमन्त्र के पाठ द्वारा समारोप कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

(प्रो. भारत भूषण मिश्र)
DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Sunuchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
क.जे. सोमैयापरिसर,
विद्याविहार, मुम्बई -77

प्रतिवेदन
शिक्षादिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के क. जे. सोमैया मुम्बई परिसर में शिक्षा दिवस का आयोजन आज दिनाङ्क 11-11-2020 को देश के प्रथम शिक्षामन्त्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की स्मृति में मनाया गया। कार्यक्रम का विधिवत् आरम्भ करते हुए व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो.बोधकुमार झा महोदय न सुमधुर स्वागत वचन कहे।

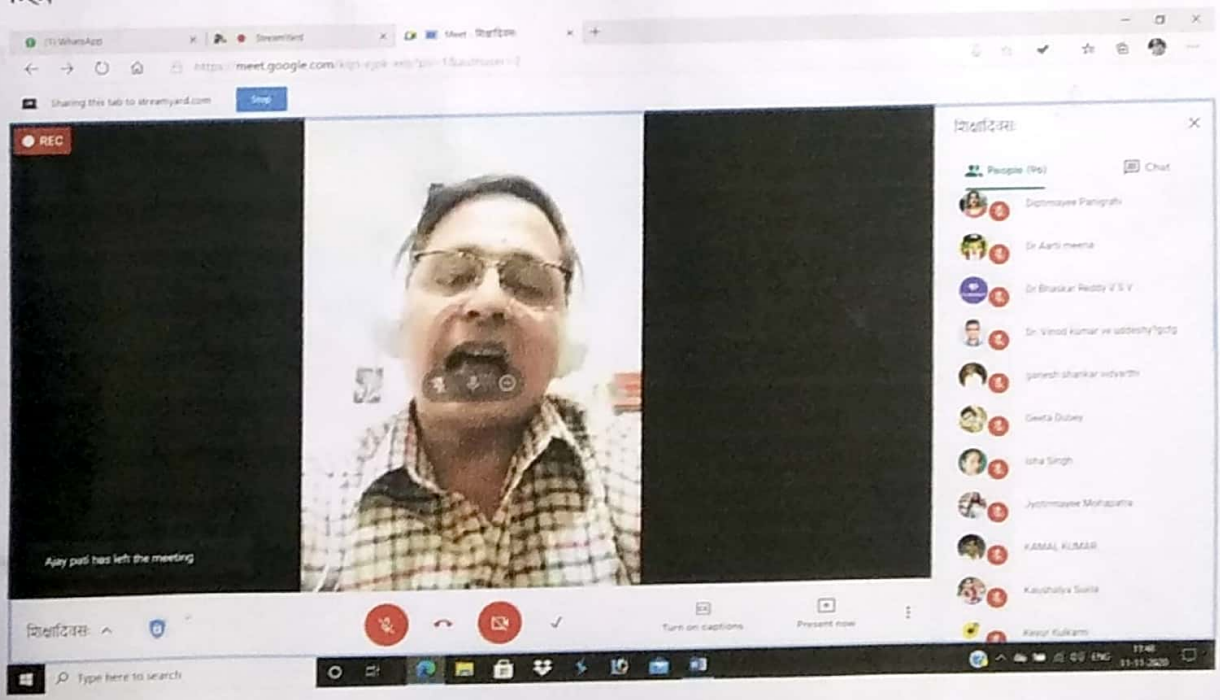

शिक्षा दिवस पर आयोजित इस आभासीय कार्यक्रम में दो विशिष्ट व्याख्यानों का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम विशिष्टव्याख्यान केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय जयपुरपरिसर के शिक्षाविभागाध्यक्ष प्रो.सोहनलाल पाण्डेय महोदय का हुआ।

Scanned with CamScanner

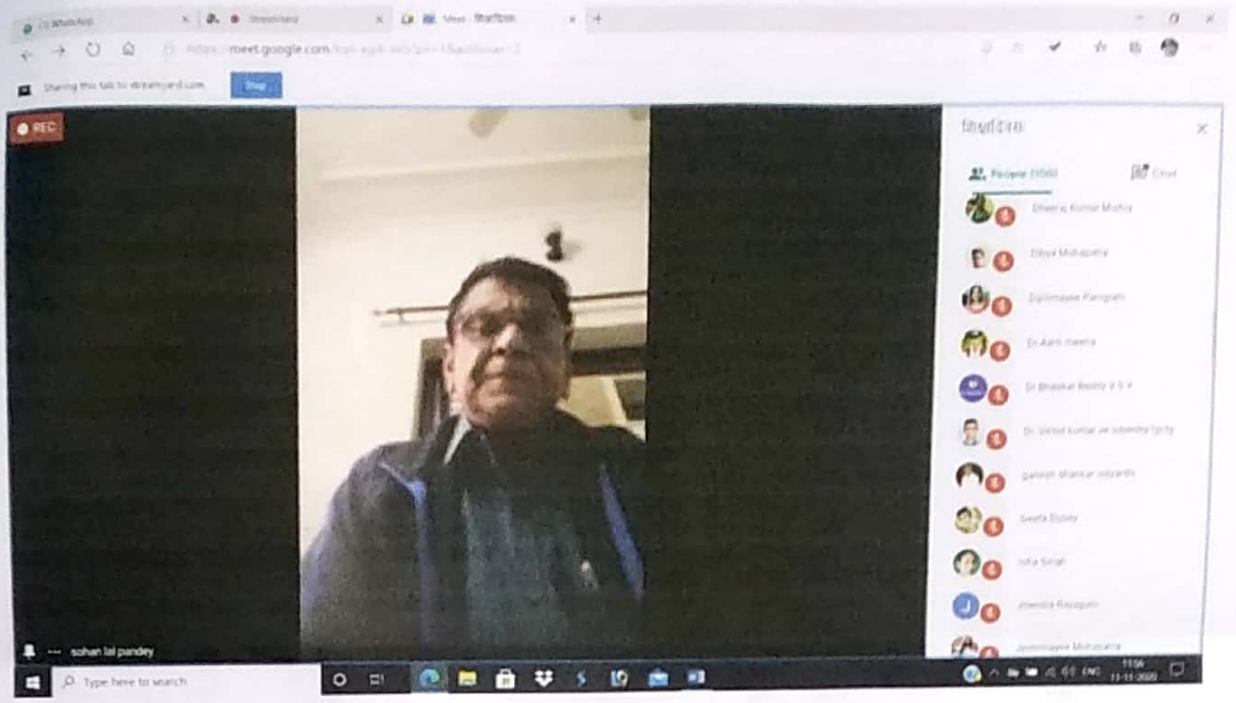

प्रो.पाण्डेय ने अपने विशिष्ट व्याख्यान में शिक्षा की प्राचीन तथा आधुनिक विशिष्टता को दर्शाते हुए शिक्षा ग्रहण करने के विविध सोपानो पर बल दिया।

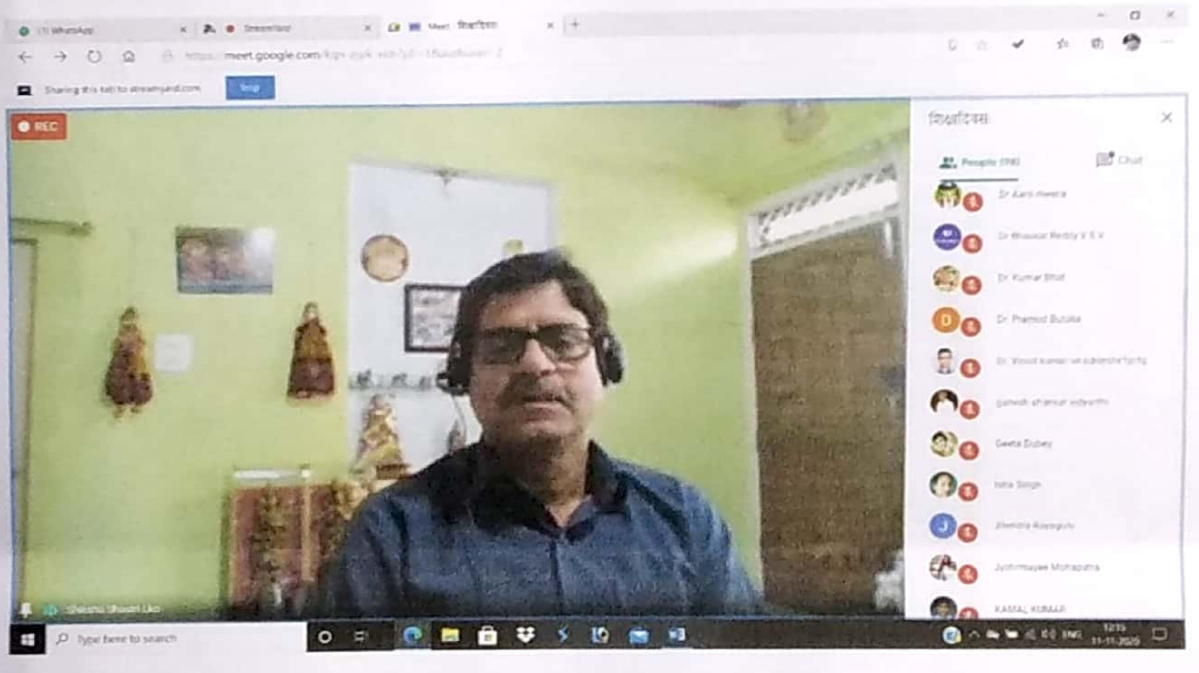

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय लखनऊ परिसर के शिक्षाविभागाध्यक्ष प्रो.लोकमान्य मिश्र महोदय का दूसरा विशिष्ट व्याख्यान हुआ। प्रो.मिश्र ने अपने विशिष्ट व्याख्यान में डॉ अबुल कलाम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए चरित्र निर्माण पर बल दिया। परिसर निदेशक एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो.भारत भूषण मिश्र ने अपने वैदुष्यपूर्ण उद्बोधन में शिक्षा की व्यापकता पर बल दिया। साथ ही प्रो.मिश्र ने दोनो विशिष्ट विद्वानो के तथ्यों का उल्लेख करते हुए शिक्षा की वर्तमान दिशा एवं दशा पर ओजस्वी भाषण दिया।

Scanned with CamScanner

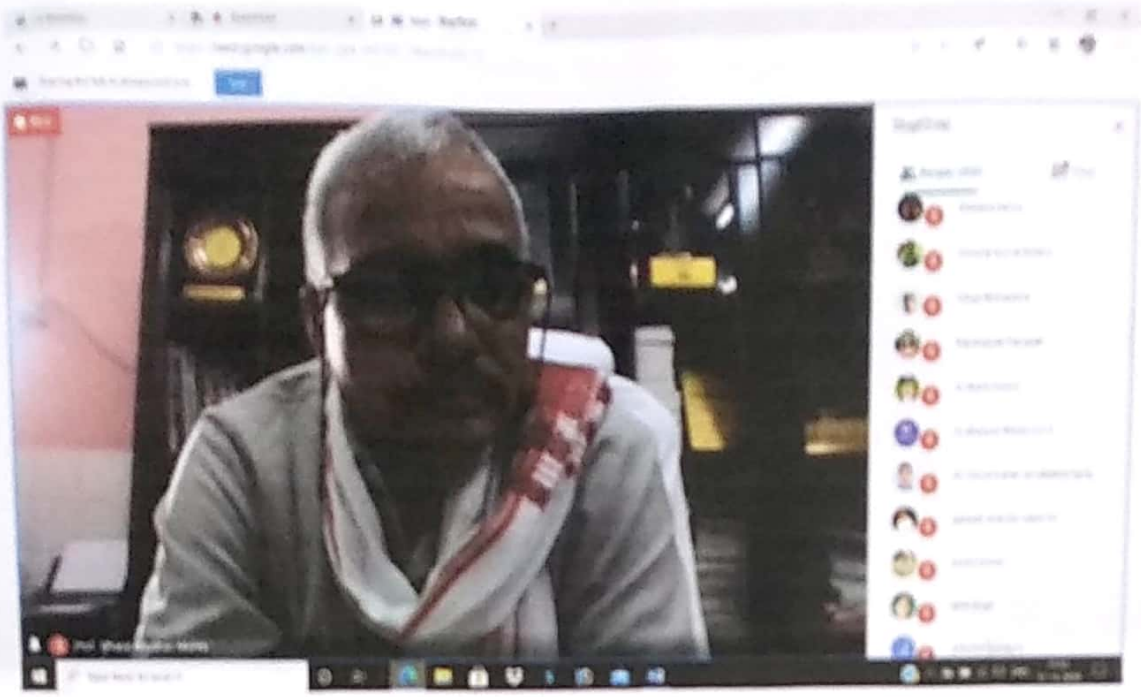

परिसर निदेशक प्रो.भारत भूषण मिश्र ने अपने अध्यक्षीय भाषण में शिक्षा को सामाजिक चेतना का प्रथम सोपान बताया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का समावेश गूगल-मीट(Google-Meet) माध्यम से हुआ। कार्यक्रम में मुम्बई एवं लखनऊ परिसर के छात्रों ने सोत्साह भाग लिया। शिक्षादिवस कार्यक्रम के अन्तिम सोपान में धन्यवाद श्री धीरजकुमारमिश्र ने अद्भुत साहित्यिक पद्यमयी रचना से किया। कार्यक्रम का संयोजन शिक्षाविभाग के सहायकाचार्यों डॉ जितेन्द्र कुमार रायगुरु एवं डॉ कुमार ने किया। जयतु भारतं जयतु संस्कृतम्।

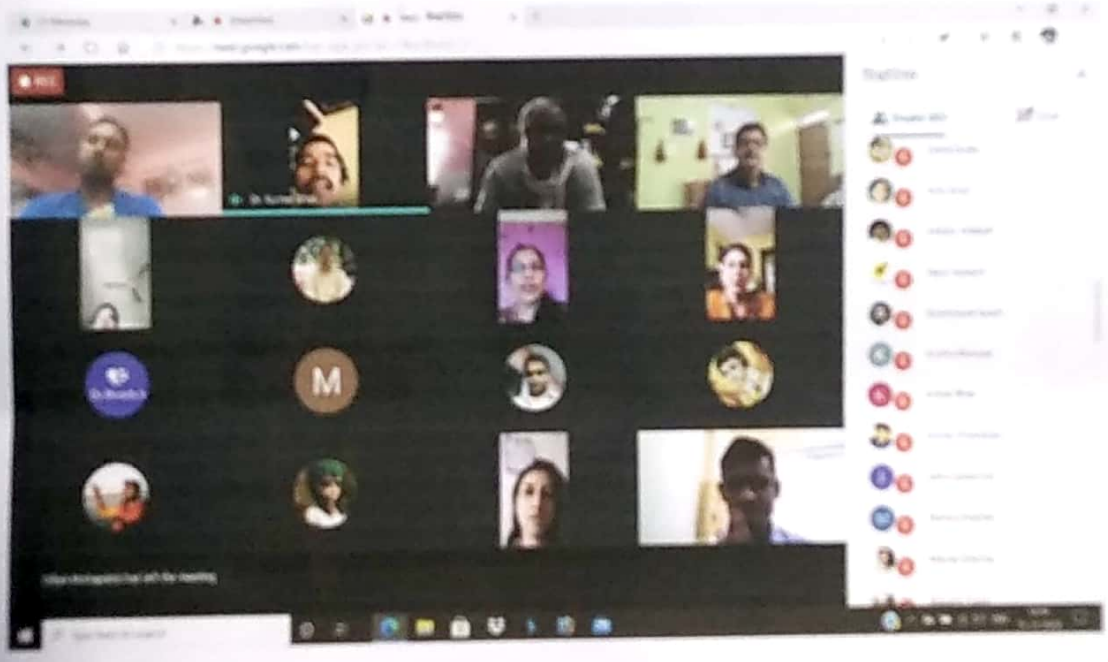

प्रो. भारत भूषण मिश्र

निदेशक

के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई.

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077

Scanned with CamScanner

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई ।

25.01.2021

पराक्रम दिवस प्रतिवेदन

२३ जनवरी २०२१

भारत सरकार की संस्कृति मंत्रालय द्वारा अधिसूचना के अनुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क.जे.सोमैया परिसर में भी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 125 वीं जयंती को, **''पराक्रम दिवस''** के रुप में आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर परिसर के निदेशक प्रोफेसर भारत भूषण मिश्र ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के पराक्रम और साहस के कारण ब्रिटिश शासन को भय हो गया था जिसके कारण हिन्दुस्तान को आजादी शीघ्र मिल गई ।

केवल महात्मा गांधी के अहिंसा सिद्धान्त पर देश को आजाद कराना संभव नहीं था । इसलिए नेताजी सुभाष चन्द्र बोस एवं उस समय के क्रान्तिकारी सरदार भगत सिंह, चन्द्रशेखर

आजाद, बटुकेश्वर दत्त, पं. राम प्रसाद बिस्मिल जैसे महान क्रान्तिकारियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। सारस्वतातिथि के रूप में जबलपुर के संस्कृत प्रचारक पं. आचार्य रविशंकर चतुर्वेदी ने कहा कि नेताजी सुभाषचन्द्र बोस बचपन से ही तुफान और बिजली जैसे थे जो किसी भी अत्याचार को सहन नही कर सकते थे । वही कार्य नेताजी ने अंग्रेजों के खिलाफ में किया । विशिष्ट वक्ता के रूप में शिक्षाशास्त्र विषय के डॉ. वी. एस. भास्कर रेड्डी ने कहा कि नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मानव धर्म में विश्वास करते थे । वह हिन्दुस्तान को शक्तिशाली भारत के रूप में देखना चाहते थे । वह देश की आजादी के लिए किसी से भी समझौता करने को तैयार थे ।

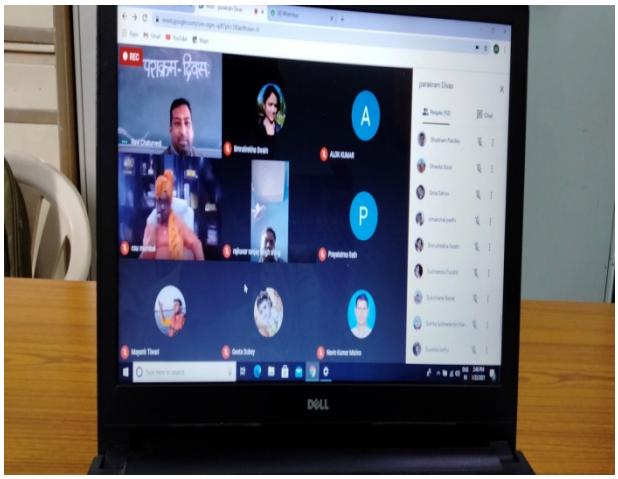

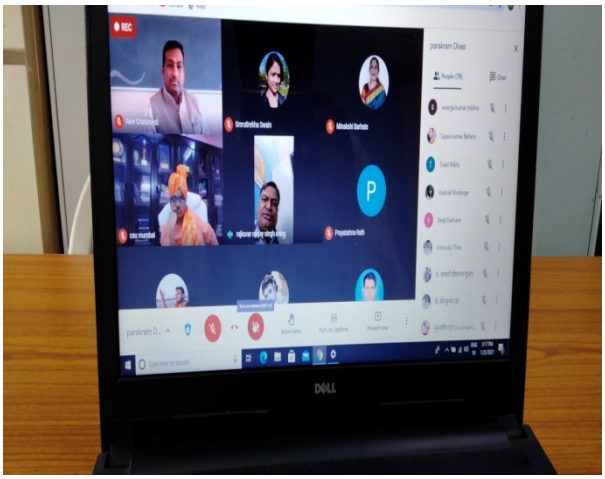

पराक्रम दिवस के अवसर पर मुख्यवक्ता के रूप में राजनीति शास्त्र विषय के डॉ. रंजय कुमार सिंह ने कहा कि नेताजी सुभाषचन्द्र बोस देश की स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश शासन के खिलाफ विदेश में जा कर जिस तरह से आजाद हिन्द सेना का संगठन तैयार किया तथा ब्रिटिश हुकुमत के विरोध में जंग छेड़ी वह एक महानायक और महान योद्धा ही कर सकता है । नेताजी ब्रिटिश सरकार के खिलाफ अस्थायी सरकार की स्थापना करने वाले भारत माता के प्रथम सपूत थे ।

इसलिए यदि नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को भारत का प्रथम प्रधानमंत्री कहा जाय, तो अतिशयोक्ति नहीं होगा । इस अवसर पर मंगलाचरण व्याकरण विषय के डॉ. नवीन कुमार मिश्र, स्वागत भाषण हिन्दी विषय की डॉ. गीता दूबे, धन्यवाद ज्ञापन मराठी विषय की डॉ. मीनाक्षी बरहाटे जबकि आभासीय रूप से कार्यक्रम के संयोजक एवं संचालन का कार्य ज्योतिष विभाग के डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल ने किया ।

इस कार्यक्रम में सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र आभासीय रूप से उपस्थित थे ।

सूचनार्थ पराक्रम दिवस का प्रतिवेदन सादर प्रस्तुत है ।

(प्रो. भारत भूषण मिश्र)

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई ।

15.01.2021

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती प्रतिवेदन

१२ जनवरी २०२१

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क.जे.सोमैया परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी के निर्देशानुसार परिसर में दिनांक 12 जनवरी 2021 को स्वामी विवेकानन्द की 158 वीं जयन्ती कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

जिसमें मुख्यातिथि के रूप में परिसर के ही शिक्षाशास्त्र विभाग की अध्यक्षा प्रो. लीना सक्करवाल थी । प्रो. लीना जी ने स्वामी विवेकानन्द की शिक्षा से विद्यार्थियों में उत्तम चरित्र निर्माण हो इस पर प्रकाश डाला ।

मुख्यवक्ता के रूप में परिसर के राजनीति शास्त्र विषय के सहायकाचार्य डॉ. रंजय कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने शिकागों (अमेरिका) के धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म की महत्ता का परिचय उस समय दिया जिस समय भारत ब्रिटीश शासन का गुलाम था । स्वामी विवेकानन्द के हिन्दू धर्म के सनातन संस्कृति के अनुरूप भाइयों और बहनों के सम्बोधन से पूरा धर्म संसद भारत के आध्यात्मि ज्ञान और भारतीय दर्शन से परिचित हुआ । स्वामी विवेकानन्द ने कहा वह दिन दूर नही जब पूरा विश्व भारतीय दर्शन के सामने नतमस्तक होगा । स्वामी विवेकानन्द की धर्म संसद में कही गई बात सत्य साबित हुई जब सन् 2020 में कोरोना वायरस जैसे भंयकर महामारी से पूरा विश्व भयभीत हो गया । इस भयंकर महामारी से बचने के लिऐ विश्व के लोगों ने मात्र भारतीय हिन्दु धर्म दर्शन का पालन किया जो प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव की बात है ।

विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ. नवीन कुमार मिश्र ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द द्वारा आध्यात्मिक ज्ञान का जो सिद्धान्त दिया गया है, उस सिद्धान्त पर चलकर ही भारत पुनः विश्वगुरु बन सकता है । स्वामी विवेकानन्द जयन्ती कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी ने कहा कि नरेन्द्रनाथ दत्त को स्वामी विवेकानन्द बनाने का कार्य रामकृष्ण परमहंस जी ने किया था जो स्वामी विवेकानन्द के गुरु थे । स्वामी विवेकानन्द को अपने गुरु रामकृष्ण परमंहस के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति थी, जिसकी आज जरुरत है । आज की पीढ़ी स्वामी विवेकानन्द के पदचिह्नों पर चले तो नए भारत का निर्माण किया जा सकता है । कार्यक्रम के अवसर पर स्वागत भाषण साहित्य विभाग के सहायकाचार्य डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र ने और धन्यवाद ज्ञापन साहित्य विभाग के कवित्व कुशल सहायकाचार्य डॉ. धीरज कुमार मिश्र ने जबकि मंच संचालन ज्योतिष विभाग के सहायकाचार्य डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल ने किया । इस अवसर पर कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित थे ।

(प्रो. भारत भूषण मिश्र)

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः
क. जे. सोमैयापरिसरः
विद्याविहारः, मुम्बई – ४०००७७

दिनांक : 21-06-2021

अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस 21 जून 2021 प्रतिवेदन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क. जे. सोमैया परिसर, विद्याविहार (पू), मुम्बई में दिनांक 21-06-2021 को अन्ताराष्टिय योग दिवस के शुभ अवसर पर २०२१-२२ शैक्षिक सत्र के सर्वप्रथम एवं विशिष्ट कार्यक्रम के रूप में अभासीय अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस कार्यक्रम मनाया गया। संस्कृत वाङ्मय में योगदर्शन का विशिष्ट स्थान है। **महर्षि पतंजलि** ने योग के माध्यम से मोक्षप्राप्ति का मार्ग दिखाया। **योगः कर्मसु कौशलम्** वाक्य से ही पता चलता है कि योग का महत्त्व। योग और आयुर्वेद से शारीरिक स्वास्थ्य का संरक्षण भी होता है। विश्व स्तर पर योग और आयुर्वेद भारत का बडा योगदान है। इस प्रतिष्ठा को बढावा देने केलिए विश्वस्तर पर सात वर्षों से अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष में हमारे परिसर में भी योग दिवस का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक श्री आशुतोष ठाकूर ने वैदिक मंगलाचरण एवं श्री प्रयतात्मा रथ ने लौकिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया। परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र महोदय के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक सुसम्पन्न हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में सुप्रसिद्ध शिवानंद योग गुरु श्री संजय सोलंकी महोदय एवं विशिष्टातिथि के रूप में मुम्बई परिसर के पूर्व प्राचार्य व्याकरण के प्रकांड विद्वान् प्रो. प्रकाशचन्द्र महोदय उपस्थित थे।

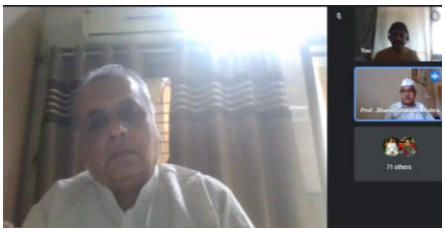

परिसर के वरिष्ठ आचार्य व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. बोध कुमार झा महोदय ने आभासीय माध्यम में जुडे हुए सभी सदस्यों का स्वागत करके योग का महत्त्व तथा आवश्यता आदि विचारों को प्रस्तुत किया। मुख्यातिथि योगगुरु संजय सोलंकी महोदय ने विविध योगासनों को प्रायोगिक रूप से प्रस्तुत करके रोग से मुक्ति पाने का उपाय बताया और

विशिष्टातिथि प्रो. प्रकाशचन्द्र महोदय ने योग शब्द का अर्थस्पष्टीकरण करते हुए योगशास्त्र का प्रयोजन को स्पष्ट किया।

अध्यक्षीय भाषण में परिसरीय निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र महोदय ने योग करने से क्या प्रयोजन है?, और योग को क्यों सीखना है? अदि सूक्ष्म एवं गम्भीर विचारों को व्यक्त किये।

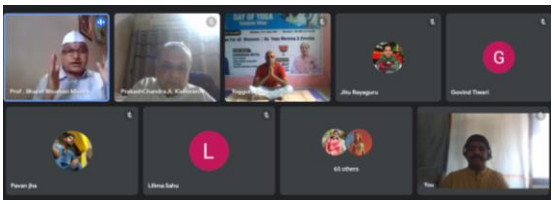

कार्यक्रम के अन्त में शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायकाचार्य डा. जितेन्द्र कुमार रायगुरु ने उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद समर्पित किया। इस कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायकाचार्य डा. कुमार ने किया।

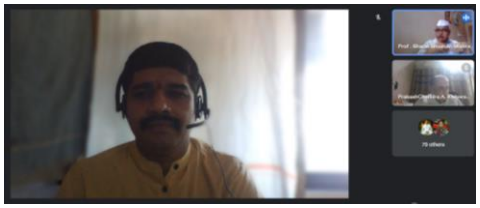

परिसर के छात्र – छात्राएं एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष तथा प्राध्यापक और कार्यालय कर्मचारी इस कार्यक्रम में आभासीय रूप से जुडे थे। शान्ति मन्त्र से कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

(प्रो. भारत भूषण मिश्र)

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय)
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन
क.जे. सोमैया परिसर
सुरुचि भवन, सोमैया विद्याविहार
विद्याविहार (पू.), मुम्बई, महाराष्ट्र - ४०००७७

Central Sanskrit University
Established by an act of Parliament
(Formerly Rashtriya Sanskrit Sansthan, Deemed to be University)
Under Ministry of Education, Govt. of India
K. J. Somaiya Campus
Suruchi Bhavan, Somaiya Vidyavihar
Vidyavihar (E), Mumbai, Maharastra - 400077

पत्र.सं.-के.सं.वि.मु./प्रतिवेदन/2020-21/782 दिनांक -06.11.2020

सेवा में,

उप निदेशक (शैक्षणिक)
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली - 110058.

विषय - सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं राष्ट्रिय एकता दिवस प्रतिवेदन के सम्बन्ध में ।

महोदय,

आपके द्वारा प्राप्त पत्रांक 6-1/के. सं. वि./शै./अव./2020-21/164; दिनांक 16.09.2020 के अनुसार परिसर में दिनांक 30.10.2020 से 04.11.2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं दिनांक 31.10.2020 को राष्ट्रिय एकता दिवस का आयोजन किया गया । जिसका प्रतिवेदन (संलग्न है) आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जाता है ।

संलग्न -

- प्रतिवेदन (3 पेज)

भवदीय

(प्रो. भारत भूषण मिश्र) 6-11-2020

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

दूरभाष/Phone : 022-21025452 (का.) • फोन-फैक्स/Phone-Fax : 022-21025482
ई-मेल/E-mail : rsksmumbai@yahoo.com • वेबसाइट / Website : www.rsksmumbai.in

Scanned with CamScanner

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

क. जे. सोमैया परिसर,

विद्याविहार, मुम्बई- ४०००७७

दिनांक 05.11.2020

सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रतिवेदन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क. जे. सोमैया परिसर, विद्याविहार, मुम्बई के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी के सूचनार्थ डॉ. वी. एस्. वी. भास्कर रेड्डी जी के संयोजन में दिनांक 30.10.2020 से 04.11.2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया ।

क. जे. सोमैया परिसर के सभी कार्यालय कर्मचारी, अध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने दिनांक 30.10.2020 को गुगल मीट के माध्यम से सतर्कता जागरूकता की शपथ प्रातः 11.30 को लिया । मुम्बई परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी ने सभी को सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुभकामना दी एवं डॉ. वी. एस्. वी. भास्कर रेड्डी जी प्रतियोगिता एवं नियमों का विवरण प्रस्तुत किया ।

दिनांक 02.11.2020 को प्रातः 11.30 से 12.30 तक निबन्ध प्रतियोगिता का विषय 'राष्ट्र निर्माण में भष्ट्राचार निरोध की आवश्यकता' था । इस निबन्ध प्रतियोगिता में कुमारी यशश्री संदिप खानोलकर, शास्त्री द्वितीय वर्ष ने प्रथम, कुमार मयंक तिवारी, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने द्वितीय तथा कुमार मनीष शर्मा, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष एवं कुमारी रजनी बेहरा, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

दिनांक 03.11.2020 को प्रातः 11.30 को हुई भाषण प्रतियोगिता में 09 छात्र-छात्राओं ने सहभाग लिया था, जिस का विषय 'भारतीय अर्थव्यवस्था में भ्रष्टाचार का कुप्रभाव' था । जिसमें कुमार मयंक तिवारी, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने तथा कुमार मनीष शर्मा, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने प्रथम, कुमार श्याम किशोर पाण्डेय,

Scanned with CamScanner

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने द्वितीय तथा कुमार केसूर कुलकर्णी, शास्त्री तृतीय वर्ष एवं कुमारी कौशल्या शुक्ल, शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

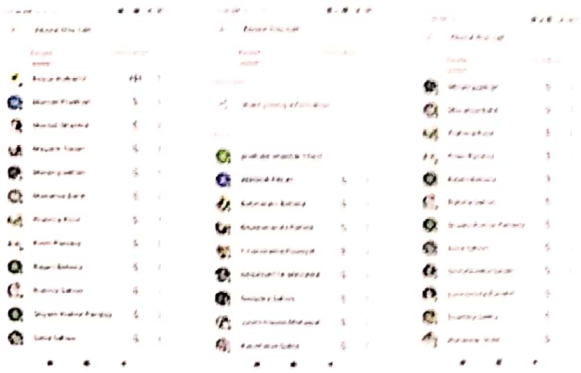

दिनांक 04.11.2020 को प्रात: 11.30 से 01.00 बजे तक गूगल मीट द्वारा सतर्कता जागरूकता पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया था, जिसमें वक्ता के रूप में मुख्यातिथि ज्योतिष CRISIL निकाय के (HR) प्रमुख, श्रीकान्तीकर नेतागणि ने 'भारतीय अर्थव्यवस्था में भष्ट्राचार का कुप्रभाव' पर अपने-विचार व्यक्त किए । परिसर के आचार्य प्रो. बोध कुमार झा जी ने एवं निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी ने भी अपने-अपने विचारों का व्यक्त किया । कार्यक्रम के अन्त में डॉ. भास्कर रेड्डी ने उपस्थित सभी का आभार प्रकट किया । जबकि शांती पाठ से सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह सम्पन्न हुआ ।

संयोजक

((डॉ. वी. एस. वी. भास्कररेड्डी)

वरिष्ठ प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र विभाग

Scanned with CamScanner

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

क. जे. सोमैयापरिसर, विद्याविहार, मुम्बई- ४०००७७

दिनांक 31.10.2020

राष्ट्रिय एकता दिवस प्रतिवेदन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क. जे. सोमैया परिसर, विद्याविहार, मुम्बई परिसर में निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र की अध्यक्षता में राष्ट्रिय एकता दिवस दिनांक 31.10.2020 को मनाया गया ।

भारत के प्रथम गृहमन्त्री एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती पर मञ्चस्थ विद्वानों प्रो. बोध कुमार झा (व्याकरण विभागाध्यक्ष) एवं प्रो. लीना सक्करवाल (शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्षा) ने अपने विचार रखे । राष्ट्रिय एकता दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. नवीन कुमार मिश्र तथा डॉ. एस् कृष्णा ने प्रभावशाली रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवनवृत्त एवं स्वतन्त्रता आन्दोलन में अभूतपूर्व योगदान पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का विधिवत् आरम्भ करते हुए कार्यक्रम के सञ्चालक डॉ. शंकर आंधळे एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. वी. एस्. वी. भास्कररेड्डी ने कार्यक्रम को सम्पन्न कराया । राष्ट्रिय एकता दिवस पर डॉ. श्वेतासूद ने पहाड़ी भाषा, डॉ. जितेन्द्र कुमार रायगुरू ने ओडिया, डॉ. वी. एस्. वी. भास्कररेड्डी ने तेलगू, प्रो. लीना सक्करवाल ने अंग्रेजी तथा प्रो. बोध कुमार झा जी ने मैथिली भाषा में अपने विचार प्रकट किए । परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र ने अपने वैदुष्यपूर्ण भाषण में राष्ट्र के लिए एकता का महत्त्व बताते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन को प्रेरणादायी बताया । कार्यक्रम में मुम्बई परिसर के सभी आचार्य, प्राध्यापक तथा कार्यालय कर्मचारी उपस्थित थे । कार्यक्रम संयोजक डॉ. वी. एस्. वी. भास्कररेड्डी महोदय ने धन्यवाद भाषण किया तथा शांति पाठ से समारोह का समापन हुआ ।

संयोजक

डॉ. वी. एस्. वी. भास्कररेड्डी

वरिष्टप्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र विभाग

Scanned with CamScanner

संक्षिप्त प्रतिवेदन

हिन्दी पखवाड़ा समारोह (14 से 28 सितम्बर, 2021)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय क. जे. सोमैया परिसर मुम्बई में दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2021 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन आभासीय माध्यम से किया गया ।

पखवाड़ा का उद्घाटन 14 सितम्बर, 2021 को हुआ जिसमें मुख्यातिथि के पद को डॉ. शीतला प्रसाद दूबे (पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, के. सी. महाविद्यालय, मुम्बई, अध्यक्ष हिन्दी अध्ययन मण्डल, एच्. एस्. सी. विश्वविद्यालय, मुम्बई) एवं अध्यक्ष के पद को प्रो. भारत भूषण मिश्र (निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई) ने अलंकृत किया । कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना से हुआ । इस अवसर पर मुख्यातिथि महोदय ने सभा को सम्बोधित किया । अपने सम्बोधन में हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं सम्मान के साथ ही सभी भारतीय भाषाओं के सम्मान के हेतु भारतीयभाषा दिवस भी मनाने की बात कही । अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन में हिन्दी के विराट् स्वरूप को रेखांकित करते हुए भारतीय परिप्रेक्ष्य में हिन्दी की प्रासंगिकता को प्रायोगिक तौर पर अभिव्यक्त किया है । अतिथियों का स्वागत शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने एवं धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. रंजय कुमार सिंह ने किया ।

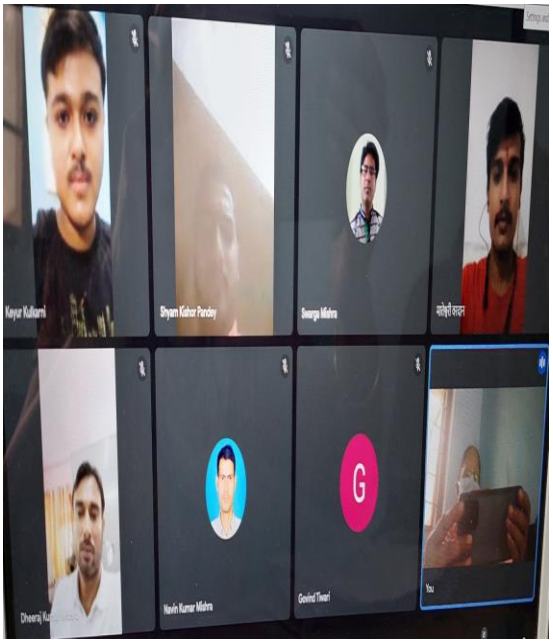

हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत परिसरीय छात्रों के लिए दिनांक 22 सितम्बर को निबन्धलेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा मैत्रेयी मयूर जानी ने प्रथम स्थान, आचार्य के छात्र सौरभ सुमन ने द्वितीय स्थान एवं आचार्य के छात्र श्याम किशोर पाण्डेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । इसी कड़ी में दिनांक 24 सितम्बर, 2021 को स्वरचित काव्यपाठ का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय द्वितीय स्थान शिक्षाशास्त्र छात्र केयूर कुलकर्णी एवं तृतीय स्थान आचार्य के छात्र श्याम किशोर पाण्डेय ने प्राप्त किया ।

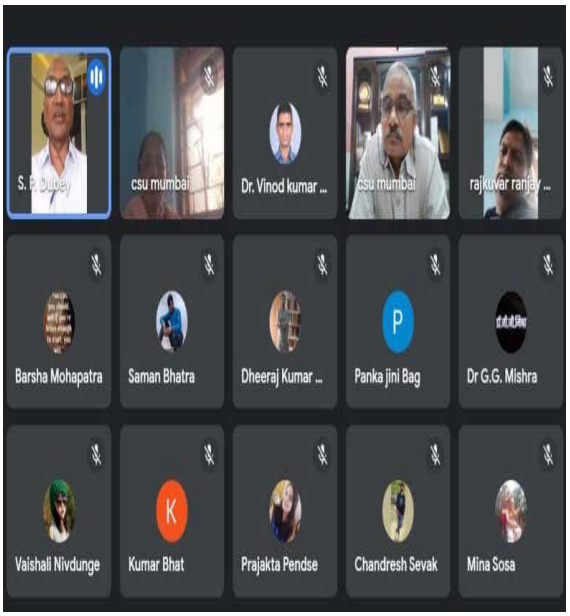

दिनांक 28 सितम्बर, 2021 को अपराह्ण हिन्दी पखवाडा का सम्पूर्ति कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । सम्पूर्ति कार्यक्रम में मुख्यातिथि के पद को डॉ. रेखा पाण्डेय ने (एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर) एवं अध्यक्ष के पद को परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र ने विभूषित किया । सम्पूर्ति कार्यक्रम में ही परिसरीय विद्वानों द्वारा स्वरचित काव्यपाठ का आयोजन हुआ, जिसमें सभी विद्वानों ने सोत्साह भाग लिया । मुख्यातिथि डॉ. रेखा पाण्डेय ने हिन्दी की व्यापकता के स्वरूप का वर्णन किया और भारत की सभी भाषाओं के साथ हिन्दी के तारतम्य को बताया । अध्यक्ष महोदय ने स्वरचित काव्यपाठ के साथ अध्यक्षीय उद्‌बोधन में हिन्दी के महत्त्व पर प्रकाश डाला । स्वागत भाषण डॉ. अनिरुद्‌ध नारायण शुक्ल, धन्यवाद ज्ञापन डॉ. धीरज कुमार मिश्र ने किया । सभा संचालन डॉ. गीता दुबे ने किया । सभी कार्यक्रम में परिसर के विद्वान्, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे । शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई ।

(प्रो. भारत भूषण मिश्र)
DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

1. श्याम किशोर पाण्डेय	–	आचार्य
2. विश्वदीप ज. थिटे	–	शिक्षाशास्त्र
3. प्रथमेश ज. थिटे	–	शास्त्री तृतीय वर्ष
4. मैत्रेयी मयूर जानी	–	शास्त्री द्वितीय वर्ष
5. संस्कार	–	शास्त्री द्वितीय वर्ष
6. गोविन्द	–	शास्त्री द्वितीय वर्ष
7. अभिमान	–	शास्त्री प्रथम वर्ष

स्वरचित काव्यपाठ

1. सौरभ सुमन	–	शास्त्री द्वितीय वर्ष
2. गोविन्द तिवारी	–	शास्त्री द्वितीय वर्ष
3. केयूर रा. कुलकर्णी	–	शिक्षाशास्त्री
4. अभिषेक थिटे	–	शास्त्री द्वितीय वर्ष
5. सुमित झा	–	आचार्य
6. अभिमान	–	शास्त्री प्रथम वर्ष

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई ।

15.01.2021

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती प्रतिवेदन

12 जनवरी 2021

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क.जे.सोमैया परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी के निर्देशानुसार परिसर में दिनांक 12 जनवरी 2021 को स्वामी विवेकानन्द की 158 वीं जयन्ती कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

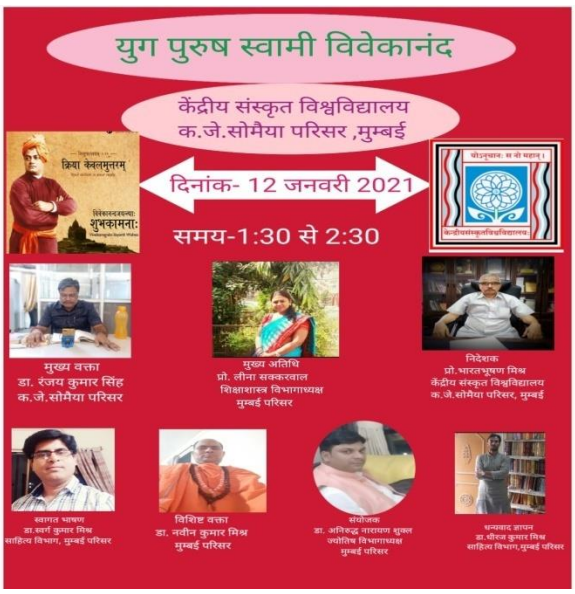

जिसमें मुख्यातिथि के रूप में परिसर के ही शिक्षाशास्त्र विभाग की अध्यक्षा प्रो. लीना सक्करवाल थी । प्रो. लीना जी ने स्वामी विवेकानन्द की शिक्षा से विद्यार्थियों में उत्तम चरित्र निर्माण हो इस पर प्रकाश डाला ।

मुख्यवक्ता के रूप में परिसर के राजनीति शास्त्र विषय के सहायकाचार्य डॉ. रंजय कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने शिकागों (अमेरिका) के धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म की महत्ता का परिचय उस समय दिया जिस समय भारत ब्रिटीश शासन का गुलाम था । स्वामी विवेकानन्द के हिन्दू धर्म के सनातन संस्कृति के अनुरूप भाइयों और बहनों के सम्बोधन से पूरा धर्म संसद भारत के आध्यात्मि ज्ञान और भारतीय दर्शन से परिचित हुआ । स्वामी विवेकानन्द ने कहा वह दिन दूर नही जब पूरा विश्व भारतीय दर्शन के सामने नतमस्तक होगा । स्वामी विवेकानन्द की धर्म संसद में कही गई बात सत्य साबित हुई जब सन् 2020 में कोरोना वायरस जैसे भंयकर महामारी से पूरा विश्व भयभीत हो गया । इस भयंकर महामारी से बचने के लिऐ विश्व के लोगों ने मात्र भारतीय हिन्दु धर्म दर्शन का पालन किया जो प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव की बात है ।

विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ. नवीन कुमार मिश्र ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द द्वारा आध्यात्मिक ज्ञान का जो सिद्धान्त दिया गया है, उस सिद्धान्त पर चलकर ही भारत पुनः विश्वगुरु बन सकता है । स्वामी विवेकानन्द जयन्ती कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी ने कहा कि नरेन्द्रनाथ दत्त को स्वामी विवेकानन्द बनाने का कार्य रामकृष्ण परमहंस जी ने किया था जो स्वामी विवेकानन्द के गुरु थे । स्वामी विवेकानन्द को अपने गुरु रामकृष्ण परमंहस के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति थी, जिसकी आज जरुरत है । आज की पीढ़ी स्वामी विवेकानन्द के पदचिह्नों पर चले तो नए भारत का निर्माण किया जा सकता है । कार्यक्रम के अवसर पर स्वागत भाषण साहित्य विभाग के सहायकाचार्य डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र ने और धन्यवाद ज्ञापन साहित्य विभाग के कवित्व कुशल सहायकाचार्य डॉ. धीरज कुमार मिश्र ने जबकि मंच संचालन ज्योतिष विभाग के सहायकाचार्य डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल ने किया । इस अवसर पर कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित थे ।

(डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल)
संयोजक
सहायकाचार्य (ज्योतिष विभाग)

(प्रो. भारत भूषण मिश्र)
निदेशक

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई ।

04.12.2020

संविधान दिवस प्रतिवेदन

26 नवम्बर 2020

मुख्यालय नई दिल्ली से प्राप्त पत्र एवं मंत्रालय के पत्रांक H.11011/02/2016-CDN(Pt) दिनांक 18.11.2020 के अनुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई में दिनांक 26 नवम्बर 2020 को **संविधान दिवस** मनाया गया । संविधान दिवस अपराह्ण 12:00 से 01:30 बजे तक आयोजित किया गया । जिसमें मुख्यातिथि के रूप में मुंबई हाईकोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमती आभा सिंह ने कहा कि संविधान में स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा पर विशेष महत्व दिया गया है । यह तभी सफल हो सकता है जब भारत का प्रत्येक नागरिक संविधान में दिये गए 11 कर्त्तव्यों का ईमानदारी पूर्वक नैतिक रूप से पालन करें ।

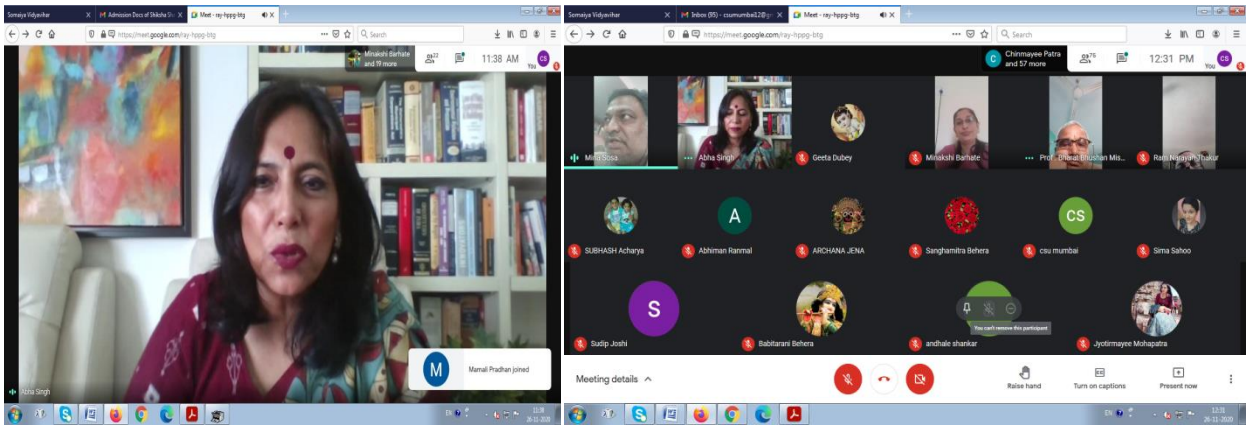

संविधान में जो भारतीयों को मौलिक अधिकार दिया गया है वह अधिकार तभी शोभा देगा जब हम सभी अपने-अपने कर्त्तव्य का पालन भी करेंगें । उन्होंने यह भी कहा कि देश को स्वतन्त्र हुए सात दशक हो गए किन्तु आज भी भारत में महिलाओं पर अत्याचार, भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा और परदा प्रथा जैसे लैंगिक असमानता को दूर नहीं किया जा सकेगा तब तक इस असमानता

रूपी खाई को नही मिटाया जा सकता । तभी संविधान निमार्तावों और डॉ. भीमराव आम्बेडकर द्वारा निर्मित संविधान के सपने को पूरा किया जा सकता है । यही कारण है कि विश्व के मानव सूचकांक की 117 देशों की सूचि में भारत का स्थान 102 नम्बर पर है जो कि खेद की बात है । हम भारतवासियों को सशक्त भारत और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए सत्य, नैतिकता और कानून का साथ देना होगा तभी हम विकसित भारत के सपने देख सकते है । संविधान दिवस केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क.जे.सोमैया परिसर, विद्याविहार द्वारा आयोजित किया गया ।

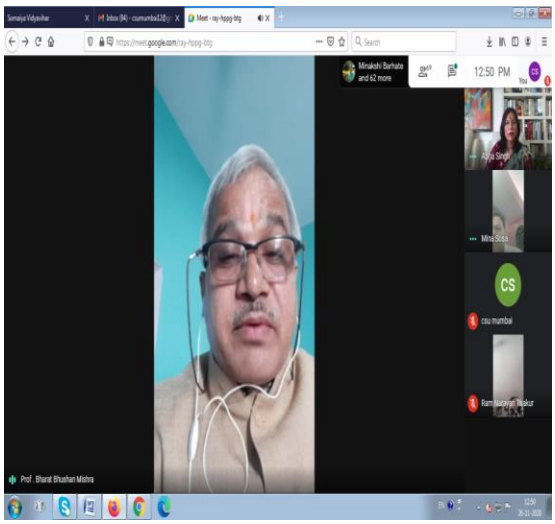

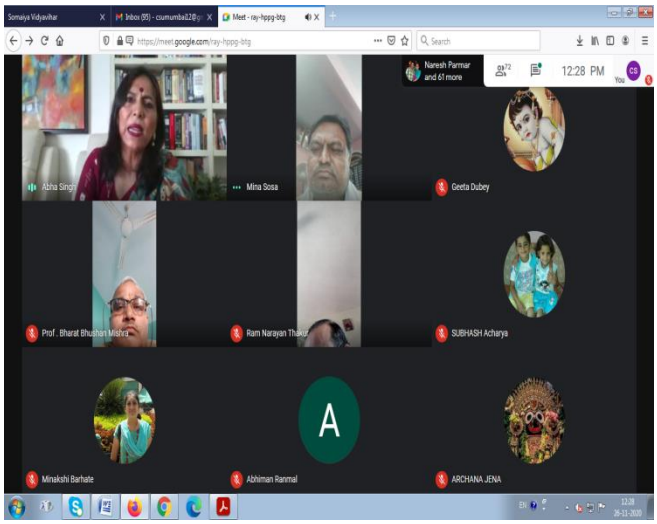

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र ने कहा कि महिलावों के साथ जो भी अनैतिक पूर्ण व्यवहार हो रहा है । उसमें केवल पुरुष ही नहीं बल्कि भारतीय महिला वर्ग भी कही न कही से जिम्मेदार है । इस दूरी को नैतिक आचरण और सदाचार के द्वारा दूर किया जा सकता है । इसके लिए हम सभी को हमारे महानपूर्वजों द्वारा बताये गये धर्माचरण का मार्ग अपनाना होगा, जो कि धर्मशास्त्रों में उल्लिखित है । संविधान दिवस के अवसर पर राजनीतिविज्ञान के सहायक आचार्य एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. रंजय कुमार सिंह ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संविधान की उद्देशिका में भारतीय संविधान का दर्शन छिपा है । जो कि संविधान का प्राणवायु है जैसे शरीर से आत्मा के निकल जाने पर आत्मा के बगैर शरीर का कोई महत्व नही होता है, उसी प्रकार संविधान की उद्देशिका है ।

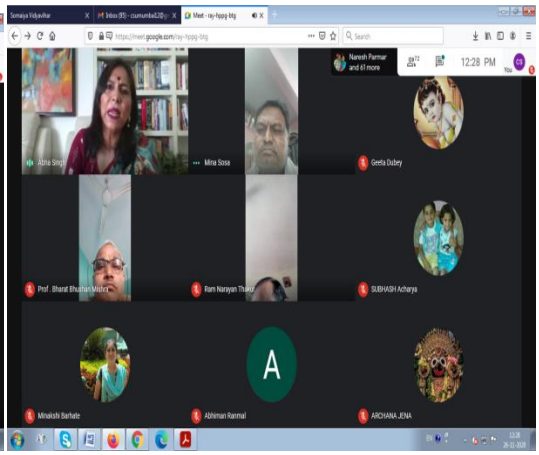

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सिंह ने इस अवसर पर आभासीय रूप से जुड़े सभी को संविधान उद्देशिका का शपथ दिलाया । इसके साथ-साथ सभी के तरफ से 26/11 हमले में शहीद हुए मुम्बई पुलिस और देश के सुरक्षाबलों के प्रति श्रद्धाजंलि भी अर्पित किया गया ।

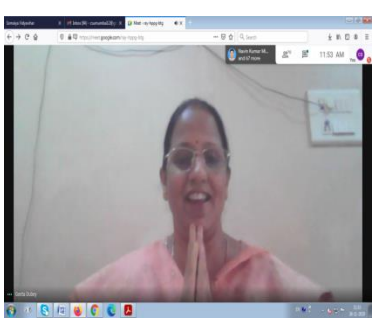

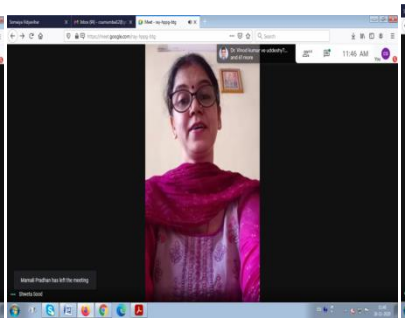

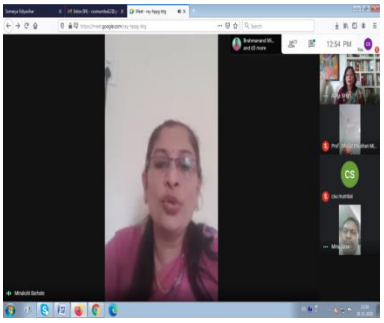

इस कार्यक्रम में सरस्वती वंदना अंग्रजी भाषा की सहायक आचार्या (सं.अ.)डॉ. श्वेता सूद, स्वागत भाषण, सहायक आचार्या (सं.अ.) डॉ. गीता दूबे, धन्यवाद ज्ञापन, मराठी भाषा की सहायक आचार्या डॉ. मीनाक्षी बरहाटे (अ.अ.) ने और संचालन डॉ. रंजय कुमार सिंह ने किया । इस आभासीय कार्यक्रम में शिक्षाविद श्री चंद्रवीर यादव, एकलव्य परिसर के हिन्दी के सहायक आचार्य (सं.अ.) डॉ. ब्रह्मानंद मिश्र एवं भोपाल परिसर सहित, मुम्बई के सभी शिक्षक, कर्मचारी और छात्र आाभासीय रूप से जुड़े थे ।

(प्रो. भारत भूषण मिश्र)

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई ।

22.10.2021

प्रतिवेदन

सत्रारम्भ एवं महर्षि वाल्मीकि जयन्ती

(20 अक्टूबर, 2021)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय क. जे. सोमैया परिसर मुम्बई में दिनांक 20 अक्टूबर, 2021 को सत्रारम्भ एवं महर्षि वाल्मीकि जयन्ती का आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर पारम्परिक रूप से रुद्राभिषेक पूजन-हवन किया गया । पूजा विधि के पारम्परिक महत्व के सन्दर्भ में परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र ने कहा कि इस विगत दो वर्षो से कोरोना वायरस के कारण सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव शिक्षण संस्थाओं पर पड़ा है । ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था होने के बावजूद विद्यार्थियों को वह लाभ नहीं मिल पाया जो कक्षा में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होने पर मिलता था इस पूजन विधि से सोमैया परिसर सहित भारत के प्रत्येक वर्ग तक लाभ पहुंचने तथा प्रत्येक भारतवासी का जीवन सुख शान्ति सहित स्वस्थ एवं मंगलमय बना रहे इसकी कामना की । इसके साथ-साथ प्रो. भारत भूषण मिश्र ने महर्षि वाल्मीकि जयंती

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वे अपनी तप और साधना के बल पर महर्षि की उपाधि प्राप्त किये ।

महर्षि वाल्मीकि ऐसे महान साहित्यकार थे जिन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन के पहले ही रामायण की रचना कर डाली । इससे यह सिद्ध होता है कि कोई भी मनुष्य सही शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन को तप और साधना के बल पर उच्चस्थान प्राप्त कर महापुरुष बन सकता है । रुद्राभिषेक पूजनविधि व्याकरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बोध कुमार झा के मार्गदर्शन में छात्र चन्द्रमा पौड्याल तथा श्याम किशोर पाण्डेय ने किया । इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी तथा छात्र उपस्थित थे ।

(प्रो. भारत भूषण मिश्र)

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई ।

15.09.2021

शिक्षक दिवस समारोह प्रतिवेदन

05 सितम्बर 2021

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई में दिनांक 05 सितम्बर 2021 को आभासीय माध्यम से शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया ।

इस समारोह में सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन् जी के जन्मदिवस को केन्द्रित करते हुए शिक्षक की भूमिका और कर्तव्य परायणता पर प्रकाश डाला गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात लेखिका श्रीमती कुसुम त्रिपाठी जी ने आधुनिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षक प्रणाली पर विचार व्यक्त किया तथा शिक्षक की कर्तव्य और तपस्या पर बल देते हुए छात्रों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए अपना विचार प्रस्तुत किया ।

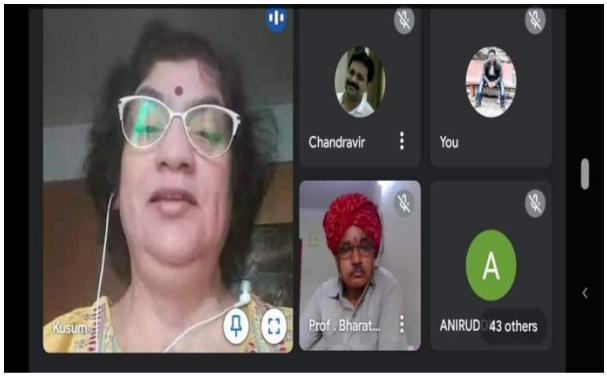

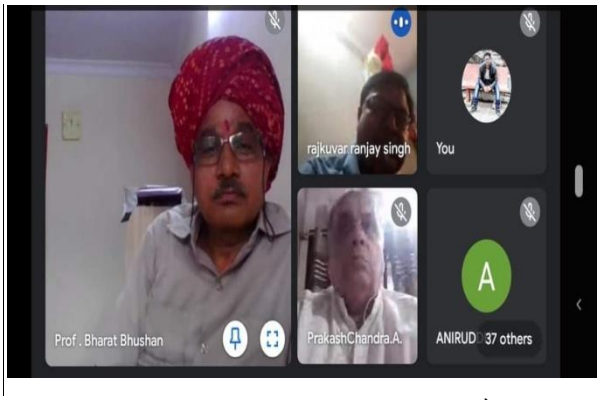

सारस्वातिथि के रूप में लग्घप्रतिष्ठित शिक्षाविद् श्री चन्द्रवीर यादव जी ने समाज के लिए शिक्षक और छात्र का अन्योन्याश्रय सम्बन्ध बताते हुए बौद्धिक समाज के निर्माण को पुष्पित और पल्लवित करने का मार्ग बताया, तथा गुरुकुल प्रणाली को समृद्ध करने के लिए आज के परम्परागत शिक्षकों का आह्वान किया । इस समारोह के अध्यक्ष/निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र सर्वपल्ली डा. राधाकृष्णन् को स्मरण करते हुए उनके विचारों पर चलने को बताया । इस कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. रंजय कुमार सिंह, आधुनिक विभाग ने किया तथा संयोजक/संचालन ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल ने किया, धन्यवादज्ञापन साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. धीरज कुमार मिश्र ने किया । इस समारोह में क. जे. सोमैया परिसर के सभी शिक्षक एवं छात्र –कर्मचारी गण की सहभागिता रही ।

अन्त में सामूहिक रूप से शान्तिमन्त्र के पाठ द्वारा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

(प्रो. भारत भूषण मिश्र)
DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई ।

07.10.2021

संक्षिप्त प्रतिवेदन

गांधी जयन्ती एवं लालबहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह (02 अक्टूबर, 2021)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय क. जे. सोमैया परिसर मुम्बई में दिनांक 02 अक्टूबर, 2021 को गांधी जयन्ती एवं लालबहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया ।

गांधी जयन्ती लालबहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह के मुख्यातिथि योग गुरु संजय सोंलकी जी जो शिवानंद योग शिक्षक संघ एवं पूर्व योगशिक्षक भारतीय हॉकी टीम तथा गान्धी दर्शन के अध्येता है । इन्होंने गांधी वादी विचारधाराओं को समाज में प्रचारित करने पर बल दिया तथा गांधीवादी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए आज के बौद्धिक एवं छात्र प्रवर्ग को केन्द्रीकृत करते हुए अपने विचार को प्रस्तुत किया । जो कि ''सादा जीवन उच्च विचार'' की भावना को अभिप्रेरित करता है।

समारोह में क.जे.सोमैया परिसर, मुम्बई शिक्षाशास्त्र विभाग की सहायकाचार्या, डॉ. एस. कृष्णा, सारस्वतातिथि के रूप में उपस्थित रहीं । इन्होंने गांधी जी के शैक्षिक पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों में गांधीवादी दर्शन तथा कर्तव्य परायणता पर विचार प्रस्तुत किया । समारोह में क.जे.सोमैया परिसर, मुम्बई के आधुनिक विभाग के डॉ. रंजय सिंह जी विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहें । इन्होंने गांधी जी के व्यक्तित्व को केन्द्रित करते हुए गांधी जी को उच्च कोटी का राजनीतिज्ञ बताया साथ ही साथ गांधी जी को दार्शनिक, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री तथा क्रांतीकारी बताया ।

क.जे.सोमैया परिसर, मुम्बई के निदेशक एवं समारोह के अध्यक्ष प्रो. भारत भूषण मिश्र ने अध्यक्षीय भाषण में मनुष्य का हित एवं समग्र उन्नति के लिए अपने धर्म एवं कर्तव्य के निर्वहन में निहित है, इस बात पर बल देते हुए गांधी जी एवं लालबहादुर शास्त्री के पद चिन्हों का अनुकरण करने पर बल दिया ।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल ने तथा संचालन साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. धीरज कुमार मिश्र ने किया ।

समारोह में परिसर के प्राध्यापक-कर्मचारी तथा छात्र उपस्थित रहे । समारोह का समापन शांतिपाठ एवं राष्ट्रगान के द्वारा हुआ ।

(प्रो. भारत भूषण मिश्र)

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई ।

23.02.2021

मातृभाषा दिवस प्रतिवेदन

22 फरवरी 2021

मुख्यालय के पत्राङ्क-2020-2021/प्रशासन/के.सं.वि./विविध/2876 एवं दिनाङ्क 17.02.2021 के अनुपालन में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क. जे. सोमैया परिसर, विद्याविहार, मुम्बई द्वारा दिनांक 22.02.2021 को मातृभाषा दिवस का आयोजन आभासीय रूप से किया गया ।

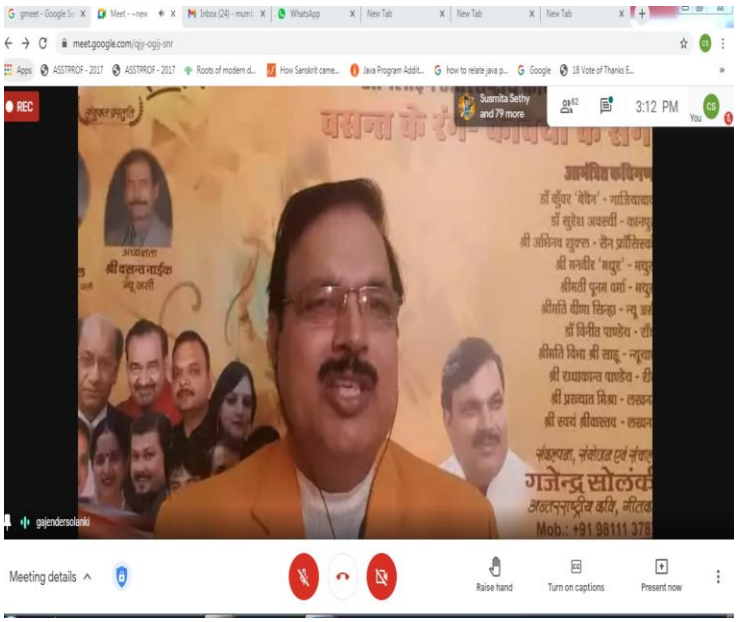

इस आभासीय कार्यक्रम में हिन्दी भाषा सलाहकार सदस्य, भारत सरकार के गजेन्द्र सोलंकी ने कहा कि भारत की प्रत्येक मातृभाषा स्वाभिमान की भाषा है, हर एक भारतीय को अपने भाषा के प्रति स्वाभिमान होना चाहिए । किन्तु हमारी ही भाषा श्रेष्ठ है यह नहीं होना चाहिए, एक दूसरे को श्रेष्ठ समझने से ही भारतीय सभ्यता और संस्कृति श्रेष्ठ साबित होगी ।

हिन्दी को राजभाषा के रूप में संविधान में मान्य किया गया है । जिसको राष्ट्र भाषा का दर्जा दिया जाना चाहिए, तभी भारत को वैश्वीकरण के दौर में विकसित किया जा सकता है । उन्होंने हिन्दी में ''हर दिल में धड़कता एक प्यारा हिन्दुस्तान,'' ''वन्दे हिन्दीमातरम्'' इन काव्यों के द्वारा राजभाषा हिन्दी के सौन्दर्य को उपस्थित किया । साथ ही प्रवासी भारतीयों के लिए गीत के माध्यम से ''दिल में हिन्दुस्तान जिन्दा है'' ऐसा गीत गाकर प्रवासी भारतीयों को समर्पित किया । सोलंकी ने मातृभाषा दिवस के अवसर पर आभासीय रूप से मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचारों को व्यक्त किया । इस आभासीय कार्यक्रम में वक्ता के रूप में शिक्षाशास्त्र- विभाग के डॉ. वी.एस.वी भास्कर रेड्डी ने कहा कि तेलगू भाषा स्वयं ही विकसित भाषा है । यह किसी अन्य भाषाओं का अनुकरण करनेवाली भाषा नहीं है । तेलगू एक वैज्ञानिक भाषा भी है ।

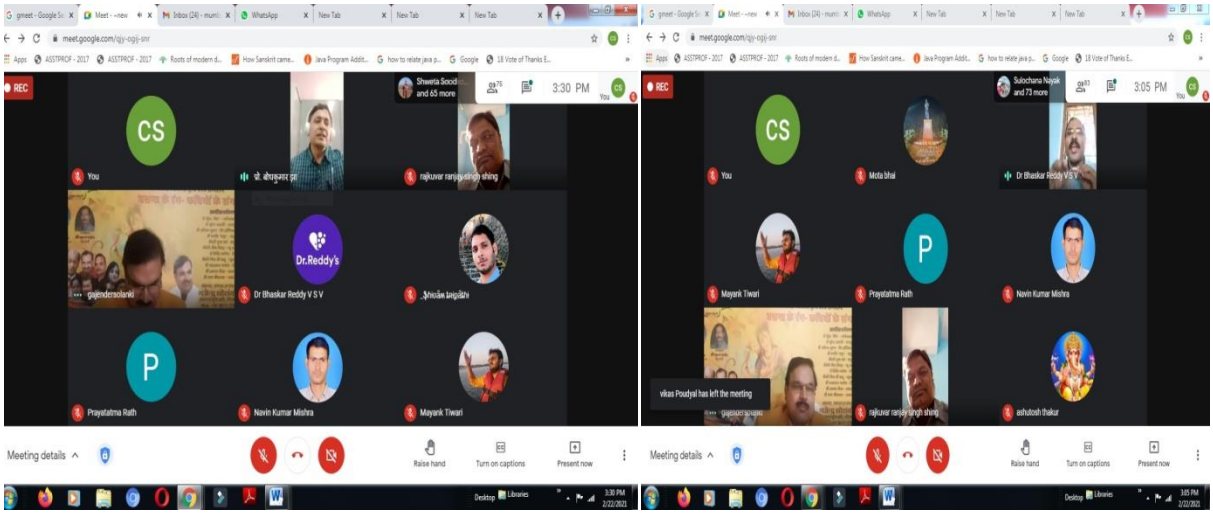

इस अवसर पर मातृभाषा दिवस के संयोजक व आधुनिक विभाग के डॉ. रंजय कुमार सिंह ने अन्तरराष्ट्रिय भाषाओं तथा भारतीय भाषाओं की वर्तमान स्थिति की जाानकारी दी । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर बोध कुमार झा ने कहा कि हम सभी को अपने मातृभाषा के प्रति श्रद्धा करनी चाहिए क्योंकि मातृभाषा में जितना सरल तरीके से हम समझ और समझा सकते हैं, उतना अन्य भाषा में नहीं । जिसको माता प्रयोग करती है वही मातृभाषा है जिसको शिशु सरलता से समझ लेता है । इसलिए माता, मातृभाषा की प्रथम जन्मदात्री है । उन्होंने कहा कि मानवसभ्यता के आविष्कारों में सबसे श्रेष्ठ आविष्कार मातृभाषा है ।

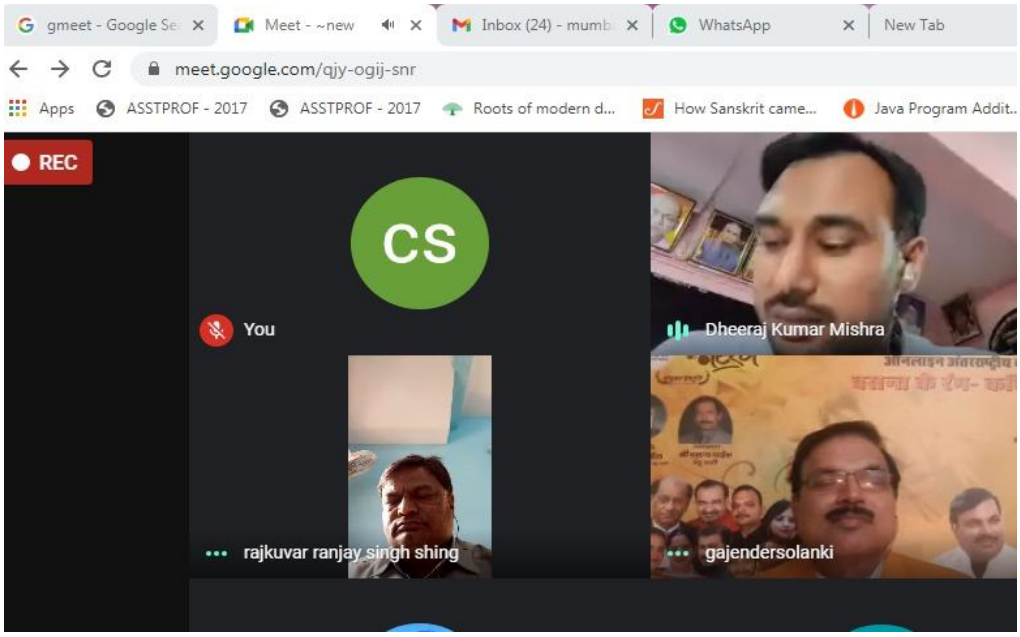

इस आभासीय अवसर पर शास्त्री द्वितीयवर्ष की छात्रा यशश्री ने मराठी भाषा में, शास्त्री तृतीयवर्ष के छात्र केयूर कुलकर्णी ने अंग्रेजी भाषा में, शिक्षाशास्त्री प्रथमवर्ष के छात्र प्रयतात्मा रथ ने संस्कृतभाषा में, शिक्षाशास्त्री प्रथमवर्ष के छात्र आशुतोष ठाकुर ने हिन्दी भाषा में, शिक्षाशास्त्री द्वितीयवर्ष के छात्र मयंक तिवारी ने अवधी भाषा में तथा शिक्षाशास्त्री द्वितीयवर्ष के छात्र श्याम किशोर पाण्डेय ने संस्कृत में अपने विचारों के द्वारा अपनी मातृभाषा को प्रकट किये । इस अवसर पर स्वागत गीत प्राक्शास्त्री की छात्रा वेदा साखरे, स्वागतभाषण व्याकरणविभाग के डॉ. नवीन कुमार मिश्र, धन्यवादभाषण साहित्यविभाग के डॉ. धीरज कुमार मिश्र जबकि संचालन डॉ. आधुनिक विषय विभाग के डॉ. रंजय कुमार सिंह ने किया इस मातृभाषा दिवस के कार्यक्रम में सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र आभासीय रूप से उपस्थित थे ।

उक्त कार्यक्रम का प्रतिवेदन आपके समक्ष सादर प्रस्तुत है –

DIRECTOR
Central Sanskrit University
K.J. Somaiya Campus
1st Floor, Suruchi Kalabhavan,
Somaiya Vidyavihar, Vidyavihar (E),
Mumbai-400077.